NHS Blood and Transplant

अंगदान और धार्मिक आस्थाएं

अंगदान और हिंदू आस्थाओं संबंधी एक गाइड

अंगदान

अंगदान

अंगदान किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करने के लिए अंग का उपहार देना होता है जिसे प्रत्यारोपण की ज़रूरत होती है। पूरे UK में हज़ारों लोगों की जिंदगियाँ अंग प्रत्यारोपणों द्वारा प्रतिवर्ष बचाई जाती हैं या उनमें बेहतरी की जाती है। लेकिन पूरे UK में प्रतिदिन कोई व्यक्ति किसी अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतज़ार करता हुआ मर जाता है।

मर चुके लोगों द्वारा दान किए जा सकने वाले अंगों में हृदय, फेफड़े, गुर्दे, जिगर, पैनक्रियाज़ और छोटी आँत शामिल हैं। त्वचा, हड्डी, हृदय के वाल्व और कोर्निया जैसे ऊतक भी दूसरों की सहायता करने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। जीवित व्यक्ति द्वारा एक गुर्दे या जिगर के एक भाग का दान करना भी संभव है।

अंगदान करने के बारे में सोचना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते कदमों के साथ, अब यह संभव है कि गुर्दे, जिगर और दिल के दौरे जैसी अनेक प्रकार की घातक स्थितियों से पीड़ित लोगों के जीने के अवसर बढ़ाने के लिए प्रत्यारोपित किए गए अंगों और ऊतकों का इस्तेमाल किया जाए। पहले से कहीं ज्यादा लोग अब इन स्थितियों से पीड़ित हैं और कुछ जातीय समूह दूसरे समूहों की तुलना में ज्यादा प्रभावित दिखाई पड़ते हैं।

किसी अंग की ज़रूरत वाला कोई व्यक्ति आज अजनबी हो सकता है लेकिन कल वह व्यक्ति कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे आप जानते हैं और जिससे आप प्रेम करते हैं। इसलिए यह निर्णय करने के लिए कृपया समय निकालें कि क्या आप अंग दानकर्ता बनना चाहते हैं, उस निर्णय को NHS अंग दान रजिस्टर (NHS Organ Donor Register) में रिकॉर्ड कराएं और फिर अपने परिवार को बताएं।

परिवार की संलग्नता

परिवार UK के सारे क्षेत्रों में अंग दान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, भले ही विकल्प में शामिल होने या उससे बाहर होने की प्रणाली मौजूद हो या न हो।

यदि आपकी मृत्यु ऐसी परिस्थितियों में हो जाती है जहाँ आप अंग दानकर्ता हो सकते थे, तो एक विशेषज्ञ अंगदान नर्स यह देखने के लिए NHS अंग दान रजिस्टर की जाँच करेगी कि क्या आपने अपना निर्णय दर्ज कराया था और आपके निकटतम संबंधी से यह चर्चा करने के लिए बात करेगी कि क्या आप दानकर्ता होना चाहते थे। जो कुछ होता है, उसमें आपके परिवार की राय महत्वपूर्ण है। इसलिए, आपका निर्णय चाहे जो कुछ भी हो, यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें पता हो कि आप क्या चाहते हैं। इससे उनके लिए आपके निर्णय का सम्मान करना ज्यादा आसान हो जाएगा।

अंगदान कब किया जा सकता है?

डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल स्टाफ किसी रोगी के जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब जीवन बचाने के सारे प्रयास विफल हो जाते हैं और उन डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि कर दी जाती है जो प्रत्यारोपण टीम से पूरी तरह से अलग होते हैं, केवल तब अंगदान पर विचार किया जाता है।

UK में दान किए गए अधिकांश अंग उन लोगों से आते हैं जो किसी गंभीर मस्तिष्क-चोट से मर जाते हैं और जो गहन परिचर्या एकक (इंटेंसिव केयर यूनिट) में वेंटीलेटर पर होते हैं। मस्तिष्क की चोट मस्तिष्क स्टेम के उन महत्वपूर्ण केंद्रों को क्षतिग्रस्त कर देती है जो जीवन के लिए अनिवार्य होते हैं। डॉक्टर तंत्रिका संबंधी मानदंडों का इस्तेमाल करते हुए इस मृत्यु की पुष्टि करते हैं जिसे 'मस्तिष्क स्टेम मृत्यु' भी कहा जाता है। यह कोमा में या 'निष्क्रिय स्थिति (vegetative state)' में होने जैसा नहीं होता। दो ऐसे वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा कड़े राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, दो अलग अवसरों पर, परीक्षण किए जाते हैं, जो प्रत्यारोपण टीम से अलग होते हैं।

जब तंत्रिका संबंधी मानदंडों का इस्तेमाल करते हुए मृत्यु की पुष्टि कर दी जाती है, तब रोगी अब भी वेंटीलेटर (एक ऐसी मशीन जो फेफड़ों में हवा फेंकती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह बनाए रखने में मदद करती है) पर होता है। इससे अंगों को ऑक्सीजन-समृद्ध रक्त आपूर्ति की समाप्ति को रोका जाता है जो कि अधिक स्वास्थ्यवर्धक प्रत्यारोपण परिणाम के लिए आवश्यक है।

अंग ऐसे लोगों द्वारा भी दान किए जा सकते हैं जो अपने परिवार की सहमति के साथ, जीवनरक्षक गहन परिचर्या उपचार (life-sustaining intensive care treatment) को समाप्त कर रहे हैं। यदि हृदय रुक जाता है और इसके जल्द बाद रक्तसंचार बंद हो जाता है, तो मृत्यु की पुष्टि की जाएगी और अंगदान किया जा सकता है। इसे 'रक्तसंचारी मृत्यु (circulatory death) के बाद दान' कहा जाता है।

परवाह और सम्मान

अंगों और ऊतकों को बेहद ज्यादा परवाह और सम्मान के साथ निकाला जाता है। परिवार बाद में शरीर को देख सकता है और यदि परिवार चाहे, तो स्टाफ किसी पादरी या स्थानीय धार्मिक नेता से संपर्क कर सकता है।

भरत कक्कड़ ने अपनी आकस्मिक मृत्यु के बाद अपने दोनों गुर्दे, अपने कोर्निया और अन्य ऊतक दान किए।

उनकी पत्नी और दोनों बेटे अंगदान पर सहमत हो गए क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि दूसरों की मदद करना भरत की आदत का हिस्सा था और एक हिंदू के रूप में विशेष रूप से सेवा की परंपरा को देखते हुए, यह उनकी मान्यताओं और आस्था के अनुरूप था।

हिंदू धर्म और अंगदान

ऐसे बहुत से संदर्भ हैं जो हिंदू धर्मग्रंथों में अंगदान की अवधारणा का समर्थन करते हैं। संस्कृत में डोनेशन के लिए मूल शब्द दान है जिसका अर्थ होता है - बिना स्वार्थ कुछ देना। दस नियमों (सदाचरण) की सूची में दान तीसरे स्थान पर है।

"जीवन का उपहार देने – या जीने में दूसरों की सहायता करने – को हिंदू धर्म में 'दान' या डोनेशन के रूप में देखा जाता है। नियति या भाग्य का अर्थ यह नहीं है कि यदि आप बीमार हैं तो उपचार न कराएं। किसी भी प्रकार के अंगदान को स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है।"

साधु योगविवेकदास, प्रमुख साधू, BAPS श्री स्वामीनारायण मंदिर, लंदन

"दान करने के लिए जो कुछ भी संभव है, वह सब और आपके अपने शरीर को दान करना बेहद उपयुक्त है"

मनुस्मृति

हिंदुओं में मृत्यु के बाद जीवन की गहरी मान्यता है और यह पुनर्जन्म की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। कर्म का सिद्धांत यह निर्णय करता है कि अगले जीवन में आत्मा कहाँ जाएगी। भागवत गीता में नश्वर शरीर और अनश्वर आत्मा का शरीर के कपड़ों से संबंध जैसे सरल रूप में वर्णन किया गया है।

"जिस तरह एक व्यक्ति पुराने कपड़ों का त्याग कर देता है और नए पहन लेता है, ठीक उसी तरह अविनाशी आत्मा मृत्यु होने पर पुराने शरीर को त्याग देती है और पुनर्जन्म होने पर नया शरीर धारण कर लेती है।"

भागवत गीता, अध्याय 2:22

वैज्ञानिक और चिकित्सा ग्रंथ (चरक और सुश्रुत संहिता) वेदों का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। संत चरक आंतरिक औषधि पर चर्चा करते हैं तो संत सुश्रुत ने अंग और अग्र अंगों के प्रत्यारोपण की विशेषताओं को शामिल किया है।

"हिंदू धर्म के अनुसार, परोपकार (सेवा) शब्द का गहरा अर्थ है जिसमें किसी अन्य व्यक्ति को जीवनदान देने के लिए अपने शरीर के किसी अंग का दान करना परोपकार (सेवा) का सबसे बड़ा स्वरूप है जिसमें आप जीवन के दौरान और उसके पश्चात भी हिस्सा ले सकते हैं। इस धर्म में इससे बढ़कर और कुछ नहीं है। परोपकार (सेवा) शब्द के विषय में गीता, वेद और उपनिषदों में विस्तार से बताया गया है।

महेंद्रभाई पांडया, लीसेस्टर में जालाराम मंदिर के मुख्य पुजारी और हिंदू पुजारियों की एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष

"हिंदुओं का मानना है कि निष्काम कर्मों से अच्छे कर्म संचित होते हैं और शरीर के अंगों को दान करने से बेहतर कोई काम क्या हो सकता है, विशेष रूप से मृत्यु होने पर जब वे हमारे किसी काम के नहीं रह जाते, लेकिन बेहतर जीवन जीने के लिए ये दूसरों की सहायता कर सकते हैं- यह हमारे ग्रंथों में निहित हिंदू परंपरा है जैसा कि प्राचीन भारत में भी स्पष्ट देखी जा सकती है, संत ऋषि सुश्रुत ने दान किए गए अग्रांगों और अंगों के साथ 'प्रत्यारोपरण शल्यक्रिया' की।"

अनिल भनोट OBE, हिंदू परिषद UK (Hindu Council UK) के संस्थापक सदस्य और निदेशक

"मेरा पक्का विश्वास है कि अंगदान सर्वोत्तम दान है जो कोई व्यक्ति कर सकता है।"

श्रीमती तृप्ति पटेल, अध्यक्ष हिंदू फोरम ऑफ ब्रिटेन

हिंदू धर्म के बारे में जानकारी **www.bbc.co.uk/religion** पर उपलब्ध है।

जैन एवं हिंदी अंगदान संचालन समूह (The Jain and Hindu Organ Donation Steering Group, JHOD) अंगदान के बारे में हिंदू और जैन समुदायों के भीतर लोगों को शिक्षित करने के लिए कड़ा परिश्रम करता है। इस समूह ने समुदायों के लिए संसाधन पैदा किए हैं और यह अंगदान को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों में समुदाय समूहों को राष्ट्रीय रूप से सहायता करता है।

Twitter @JHOD_UK
www.facebook.com/jhoduk

JHOD के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया इसके अध्यक्ष किरीट मोदी से **kiritmodi1@hotmail.com** पर संपर्क करें

अपनी राय बनाना

मैं दानकर्ता कैसे बन सकता/सकती हूँ?

यदि आप अपनी मृत्यु के बाद अपने कुछ या समस्त अंग या ऊतक दान करना चाहते हैं, तो आपके परिवार को यह पता चले कि आप क्या चाहते हैं और वे आपके निर्णय का सम्मान करें, यह सुनिश्चित करने का सर्वोत्तम तरीका NHS अंग दान रजिस्टर में दानकर्ता के रूप में पंजीकरण कराना और अपने परिवार को बताना है कि आपने क्या निर्णय लिया है। आप रजिस्टर में यह भी रिकॉर्ड कर सकते हैं कि क्या आपकी आस्था/विश्वास महत्त्वपूर्ण है और दान की चर्चा के भाग के रूप में इस पर विचार किया जाना चाहिए।

यदि मैं दान नहीं करना चाहता/चाहती तो?

यदि आप दान नहीं करना चाहते/चाहतीं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप इस निर्णय को NHS अंग दान रजिस्टर में पंजीकृत करें और अपने परिवार को बताएं।

यदि आप कुछ अंग या ऊतक दान करके प्रसन्न हैं लेकिन अन्य चीज़ें नहीं, तो दान न करने का ‘निर्णय न लें’। इसकी बजाए, एक अंग दानकर्ता के रूप में पंजीकरण कराएं और उन अंगों या ऊतकों को चुनें जिन्हें आप दान करना चाहेंगे।

यदि मैं दान करने का निर्णय लेने के लिए किसी को नामित करना चाहूँ, तो क्या होगा?

एक फॉर्म उपलब्ध है जिसे organdonation.nhs.uk से डाउनलोड किया जा सकता है जिससे आप अपने लिए दान संबंधी निर्णय लेने के संबंध में किसी अन्य को नामित कर सकते है। आपको इस फॉर्म को भरकर वापस करना होगा। कृपया ध्यान दें कि आप अपने लिए निर्णय लेने हेतु किसी प्रतिनिधि को कानूनी रूप से नामित कर सकते हैं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप UK में कहाँ रहते हैं।

अधिक जानकारी और अपने निर्णय, चाहे वह कुछ भी हो, को पंजीकृत कराने के लिए कृपया **organdonation.nhs.uk** पर जाएं या **0300 123 23 23** पर कॉल करें।

अंग और ऊतक संबंधी दान के बारे में और अधिक जानने के लिए

organdonation.nhs.uk पर जाएं।

मई 2020 में अपडेट किया गया

OLC229L3.1 Hinduism (Hindi) 2021129